समाज के सहयोग से आदर्श गौशालाओं की स्थापना होना चाहिये : डॉ. प्रयागदत्त जुयाल

नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में आज पंचगव्य उत्पाद निर्माण हेतु एक दिवसीय हस्त प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉ. वाय.पी. साहनी, संचालक अनुसंधान सेवायें, विश्वविद्यालय में निर्मित हो रहे पंचगव्य उत्पादों की विस्तृत जानकारी दी।

आदर्श गौशालाओं की स्थापनाः–

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. प्रयागदत्त जुयाल ने कहा कि समाज के सहयोग से ही आदर्श गौशालाओं की स्थापना हो सकती है। जब तक इसमें समाज एवं समाजसेवी संस्थायें नहीं जुड़ेंगी तब तक यह कार्य मुश्किल है। ऐसी कार्य योजनायें बनाना चाहिये जिससे प्रत्येक गौशाला आत्मनिर्भर बन सके, इस कार्य हेतु गौमूत्र एवं गाय के गोबर का पूर्ण सद्पयोग हो सके जिससे कि किसानों की आय में वृद्धि हो सकेगी।

रायसेन से आये प्रशिक्षार्थीः–

डॉ. पी.के. अग्रवाल, उप संचालक पशुचिकित्सा सेवायें रायसेन के नेतृत्व में डॉ. डी. सी. प्यासी, डॉ. मनोज अहिरवार, डॉ. संदीप शर्मा, श्री आशीष जोशी एवं श्री विनोद सिंह बद्येल उपस्थित थे।

इस अवसर पर श्री अग्रवाल ने फील्ड स्तर पर आने वाली समस्याओं से अवगत कराया तथा इनके समाधान हेतु विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से सहयोग मांगा। इस पर माननीय कुलपति जी ने फील्ड में आने वाली समस्याओं के निराकरण हेतु महत्वपूर्ण जानकारियां एवं सुझाव दिया। आज के कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. आर. पी. सिंह ने किया।